प्रभातकिरण

और .अंत में

सेवा में ही मेवा...

'अस्पताल' लेकर गांव पहुंच जाती हैं डॉक्टर...!

हैदराबाद। आंध्रप्रदेश के नेल्लोर जिले में महिला डॉक्टर ने अनूठी पहल शुरू की है। मशहूर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. बिंदु मेनन ने गांव के लोगों तक पहुंचने के लिए 2015 में 'न्यूरोलॉजी ऑन व्हील्स' की शुरुआत की। उन्होंने मिनी बस को न्यूरोलॉजिकल (दिमाग संबंधी) मरीजों की जरूरत के मुताबिक सभी जरूरी मेडिकल साधनों के साथ तैयार कराया, जिसमें वह आसानी से उनका चेकअप कर सकें।

देश में यह इस तरह का पहला और एकमात्र अभियान है। महीने में किसी भी एक रविवार को यह वैन आपको किसी न किसी गांव में दिखेगी, जिसमें डॉ. बिंदु मेनन मरीजों का चेकअप करती हैं, साथ ही गांव के सभी लोगों को न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के बारे में जागरूक भी करती हैं। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और फिर मुंबई से न्यूरोलॉजी में अपना स्पेशलाइजेशन करने के बाद डॉ. बिंदु इंग्लैंड में प्रैक्टिस करती थीं। साल 2000 में वह भारत लौट आईं और तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर काम करने लगीं। आठ साल यहां अपनी सेवाएं देने के बाद डॉ. बिंदु, नेल्लोर शिफ्ट हो गईं।। फिलहाल, वह नेल्लोर के अपोलो स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल्स में न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट की हेड और प्रोफेसर हैं।

इसके साथ-साथ वह डॉ. बिंदु मेनन फाउंडेशन भी चला रही हैं, जिसके जरिये उनका उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों तक सही इलाज और देखभाल पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल और क्लिनिक तक वही लोग पहुंच पाते हैं, जो स्ट्रोक, एपिलेप्सी जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के बारे में जागरूक हैं और वे इसका इलाज करवा सकते हैं,

न्यूरोलॉजिस्ट बिंदु मेनन की अनूठी पहल।

पर ऐसे लोगों का क्या, जिनके पास न तो जागरूकता है और न ही इलाज के लिए पैसे हैं। इन लोगों के बारे में सोच कर मैंने 2013 में डॉ. बिंदु मेनन फाउंडेशन की शुरुआत की। डॉ. बिंदु मेनन फाउंडेशन के जरिये वह मुफ्त हेल्थ केयर कैंप लगाती हैं, जहां पर आने वाले मरीजों का चेकअप, सभी तरह के टेस्ट और फिर मेडिकेशन आदि सभी कुछ मुफ्त में किया जाता है। पांच साल पहले जब उन्होंने यह कैंप शुरू किया था तो शुरू में 20 से 25 मरीज हर महीने उनके पास आते थे, पर अब हर महीने वह लगभग 200 मरीजों को देखती हैं।

डॉ. मेनन कहती हैं कि उनकी टीम सबसे पहले गांव का सिलेक्शन करती है कि उन्हें किस गांव में जाना है। फिर वे गांव के मुखिया या सरपंच से संपर्क कर उन्हें अपने अभियान के बारे में समझाते हैं, साथ में विचार-विमर्श करके महीने के एक रविवार को कैंप के लिए फिक्स किया जाता है। उनकी इस पहल ने अब तक 26 गांवों के लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया है। डॉ. मेनन सबसे पहले गांव में पहुंचती हैं और फिर शुरू में, 15-20 मिनट के लिए एक अवेयरनेस प्रोग्राम करती हैं, जिसमें सभी गांव वालों को दिल का दौरा, मिर्गी), हाइपरटेंशन, माइग्रेन आदि के बारे में जरूरी बातें बताई जाती हैं, जो कि अकसर लोगों को पता नहीं होतीं।